सं ब्यो॰ विब्श्यम्बाला | L52-85 | 4619 - चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि 1 परिवहन आयुक्त, हरियाणा, चण्डीगड, 2 जनरल, मैनेजर हरियाणा रोड्येज, कैयर्ल, के श्रमिक श्री भैया राम तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रौद्यांगक विवाद है:

ग्रौर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेत निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

उस लिये. श्रव, श्रांद्योगिक विवाद ग्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधार (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तिकों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रधिसूचना स-3(44) 84-3-धम, दिनांक 18 श्रप्रैल, 1985 द्वारा उक्त श्रिधसूचना की धारा 7 के श्रधीन गठित श्रम न्यायालय, श्रम्बाला को विवादग्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेत् निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रवन्धकों तया श्रमिक के बीच या तो विवाद ग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत श्रयवा सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्री भैया राम, सेपुत्र श्री नराता राम की सेवाग्रों का समापन न्यामाचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का

सं ० श्रो० वि ० |पानी | 108-85 | 4626 -- चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि 1. हरियाणा स्टेट स्माल इन्डस्ट्रीज° कारपोरेशन, चण्डीगढ़, 2. महा प्रबन्धक, हरियाणा इन्डस्ट्रीज एण्ड एक्सपोर्ट कारपोरेशन, पानीपत के श्रीमक श्री विजेद्ध चन्द तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रौद्योगिक विवाद है ;

ग्रौर चंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्याधनिर्णय हेत् निर्दिष्ट करना वांधनीय समझते हैं;

इस लिये, ग्रव, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रधिसूचना सं०-3(44)84-3-श्रम, दिनांक 18 ग्रप्रैल, 1985 द्वारा उक्त ग्रिधसूचना की धारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम न्यायालय ग्रम्बाला की विवादग्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णच एवं पंचाट तीन मास में देने हेत् निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त सामला है या विवाद से सुसंगत श्रयवा सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्री विजेन्द्र चन्द की सैसेवाश्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है।

सं ब्योबिव ब्रिम्बाला | 190-85 | 4633---चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैं ब्रिम्स ब्रिक्टा बनस्पति मिल लिंब, शाहबाद । मारकंडा के श्रमिक श्री बलदेव राज तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद है ;

और चंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेत् निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इस लिये, ग्रय, ग्रांद्योगिक विवाद ग्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करने ृए हरियाणा के राज्यवाल इसके द्वारा सरकारी ग्रधिसूचना सं 0-3 (44) 84-3-श्रम, दिनांक 18 ग्रप्तैल, 1985 द्वारा उक्त ग्रिधसूचना की धारा 7 के ग्रयीन गठित श्रम न्यायालय, श्रम्यानों को विवादग्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिश्य करते हैं जो कि उक्त अवस्थ को तथा श्रीमक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत श्रयवा सम्बन्धित मामला है :---

क्या श्री बलदेव राज, सुपुत्र पहलो राम की सेवाग्रों का समीपन न्यायोचित तया ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है।

श्रम विभाग

शुद्धि पत्न

दिनांक 31 जनवरी; 1986/3 फरवरी, 1986

संब्योब विव/एफ ब्ही व/44-85/4831.—हिरयाणा सरकार के ग्रिधसूचना क्रमांक योबिव / 44-85/18164, दिनांक 24 ग्रप्रैल, 1985 जो कि हिरयाणा राज्य पत्रिका, दिनांक 21 मई, 1985, पृष्ठ 1351 पर छपा है में शब्द "ग्रसीम इन्टर प्राईजिज" के स्थान पर शब्द "एस ब्हान्टर प्राईजिज" पढ़ा जाये।